पाठ-बोध

उद्देश्य:- Oral Expressio
- recall
- reasoning

मौखिक

क. लेखक बदलू को 'काका' क्यों कहता था?
ख. बदलू लाख की चूड़ियाँ कैसे बनाता था?
ग. बदलू का चूड़ियाँ बेचने का क्या तरीका था?
घ. बदलू का काम बंद क्यों हो गया था?

उद्देश्य:- Written Expr
- description
- reasoning (HOTS)
- comprehension

M.I. - intrapersona

लिखित

क. लेखक को बचपन में क्या चाव था?
ख. बदलू को काँच की चूड़ियों से चिढ़ थी—इसका क्या कारण होगा?
ग. बदलू बचपन में लेखक की खातिर कैसे किया करता था?
घ. पाठ के आधार पर बदलू के स्वभाव के बारे में लिखिए।
ङ: बदलू ने अपना बनाया आखिरी जोड़ा क्यों नहीं बेचा?

आशय स्पष्ट कीजिए—

i. जो सुंदरता काँच की चूड़ियों में होती है लाख में कहाँ संभव है!
ii. मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं।

पाठ-बोध

मौखिक

क. गाँव के सभी बच्चे बदलू को काका कहते थे इसलिए लेखक भी उसे 'काका' ही कहता था।

ख. बदलू अपने घर के आँगन में बने नीम के वृक्ष के नीचे बैठकर काम किया करता था। पास ही में भट्ठी दहकती रहती जिसमें वह लाख पिघलाया करता। सामने एक लकड़ी की चौखट पड़ी रहती जिसपर लाख के मुलायम होनेपर वह उसे सलाख के समान पतला करके चूड़ी का आकार देता। पास में चार-छह विभिन्न आकार की बेलननुमा मुँगेरियाँ रखी रहतीं जो आगे से कुछ पतली और पीछे से मोटी होतीं। लाख को चूड़ी का आकार देकर वह उन्हें मुँगेरियों पर चढ़ाकर गोल और चिकना बनाता और तब एक-एक कर पूरे हाथ की चूड़ियाँ बना चुकने के पश्चात वह उनपर रंग करता।

ग. बदलू का चूड़ियाँ बेचने का 'वस्तु-विनियम' का तरीका था। वह चूड़ियों को पैसों में नहीं बेचता था। लोग उससे अनाज के बदले चूड़ियाँ ले जाते थे।

घ. बदलू का काम इसलिए बंद हो गया था क्योंकि गाँव-गाँव में काँच का प्रचार हो गया था। सब काम मशीनों से होने लगे थे। मशीनों से तैयार काँच की चूड़ियों की सुंदरता के आगे हाथ से बनी लाख की चूड़ियाँ फीकी पड़ गई थीं।

लिखित

क. लेखक को बचपन में अपने मामा के गाँव जाने का चाव था क्योंकि वह वहाँ से लौटते समय अपने साथ ढेर सारी रंग-बिरंगी लाख की गोलियाँ लेकर आता था।

ख. बदलू का काँच की चूड़ियों से चिढ़ का कारण यह रहा होगा कि काँच की चूड़ियाँ देखने में लाख की चूड़ियों से अधिक सुंदर होती हैं। उसे लगता होगा कि अगर लोग काँच की चूड़ियाँ खरीदने लगेंगे तो फिर लाख की चूड़ियों का धंधा ठप हो जाएगा।

ग. बदलू लेखक की बहुत खातिर करता था। जिन दिनों उसकी गाय के दूध होता वह सदा लेखक के लिए मलाई बचाकर रखता था और आम की फसल के दिनों में रोज़ उसे दो-चार आम खिलाता। साथ-ही-साथ उसके लिए रंग-बिरंगी लाख की गोलियाँ भी बनाता था।

घ. बदलू स्वभाव से सीधा था। वह कभी किसी से झगड़ता नहीं था। वह पुरानी सोच का व्यक्ति था। आज भी वस्तु-विनियम के तरीके से चूड़ियाँ बेचता था। अपने काम में कुशल होने के कारण बदलू थोड़ा ज़िद्दी भी था। शादी-विवाह के अवसर पर यदि वह नाराज़ हो जाए तो फिर उसे मनाना आसान नहीं होता था। तब वह मनमाफ़िक दाम पर ही चूड़ियाँ देता था। बदलू अपने उसूलों का पक्का था। मशीनीकरण के युग में भी उसने मनमाफ़िक दाम न मिलने पर अपना बनाया चूड़ियों का आखिरी जोड़ा ज़मींदार को नहीं बेचा।

ङ: बदलू शादी-विवाह के अवसरों पर मनमाफ़िक कीमत मिलने पर ही चूड़ियों का जोड़ा बेचता था। ज़मींदार साहब ने उसके बनाए जोड़े की कीमत दस आने लगाई जो बदलू को मंजूर नहीं थी। इसलिए उसने चूड़ियों का आखिरी जोड़ा नहीं बेचा।

आशय स्पष्टीकरण—

i. काँच की चूड़ियाँ मशीनों से बनी होती हैं और नाजुक भी होती हैं। इसलिए झिलमिल करती हुई अधिक सुंदर लगती हैं। ऐसी सुंदरता लाख की चूड़ियों में दिखाई नहीं देती।

ii. मशीनों द्वारा काम जल्दी होता है और अधिक सफ़ाई से भी होता है। इसमें श्रम कम लगता है और तैयार वस्तुओं की कीमत कम होती है इसलिए लाखों हुनरमंद हाथ के कारीगर बेरोजगार हो गए हैं।

सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए—

क. बदलू कौन था?
- ☑ मनिहार

ख. वर्षों बाद गाँव लौटने पर लेखक को क्या बदलाव नजर आया?
- ☑ अधिकतर स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहने थीं

ग. बदलू की कौन-सी व्यथा लेखक से छिपी न रह सकी?
- ☑ बेरोजगार हो जाने की

घ वस्तु-विनियम क्या है?
- ☑ एक वस्तु के बदले में दूसरी वस्तु देना

मूल्यपरक प्रश्न

एक हद तक यह सही है कि मशीनों के कारण वे लोग बेरोजगार हो गए हैं जो हाथ के कारीगर थे। मशीनों को चलाने में श्रम कम लगता है और उत्पादन अधिक होता है इसलिए मशीनों की बनी चीजों की बाजार में भरमार है। इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि कुछ छोटे-छोटे उत्पादक या हस्तकलाओं के ज्ञाता लोगों ने मशीनों की जानकारी और उपयोग से अपनी कार्यकुशलता और उत्पादन बढ़ाया है। इससे वे न केवल स्वयं का रोजगार बनाए रखने में बल्कि दूसरों को रोजगार देने में भी सक्षम हुए हैं।

भाषा-ज्ञान